भारत सरकार

श्रम और रोजगार मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 2028

गुरुवार, 8 अगस्त, 2024/17 श्रावण, 1946 (शक)

रोजगार वृद्धि के संबंध में आरबीआई की रिपोर्ट

2028# श्री मिथलेश कमार:
डा. के. लक्ष्मण:

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत पांच वर्षो के दौरान देश में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में वृद्धि हुई है;

(ख) क्या यह सच है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले पांच वर्षों में दस करोड़ से अधिक रोजगार वृद्धि की सूचना दी है; और

(ग) क्या भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएमएस आंकड़े देश में रोजगार में सुधार का संकेत देते हैं?

उत्तर
श्रम और रोजगार राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करंदलाजे)

(क) से (ग): सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा वर्ष 2017-18 से करवाए जा रहे आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के माध्यम से रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े एकत्र किए जाते हैं। इस सर्वेक्षण की अवधि, प्रति वर्ष जुलाई से जून तक होती है।

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, लिए सामान्य स्थिति पर आयु वर्ग द्वारा व्यक्तियों के अनुमानित बेरोजगारी दर (यूआर) नीचे दी गई तालिका के निम्नानुसार है:

नवीनतम वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्टों में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सामान्य स्थिति पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की अनुमानित श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में पिछले पांच वर्षों के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति है, जो नीचे दी गई तालिका के अनुसार है:

वर्ष	**एलएफपीआर(% में)**
2018-19	50.2
2019-20	53.5
2020-21	54.9
2021-22	55.2
2022-23	57.9

स्रोत: पीएलएफएस, एमओएसपीआई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रकाशित के.एल.ई.एम.एस (के: पूंजी, एल: श्रम, ई: ऊर्जा, एम: सामग्रीयाँ और एस: सेवाएँ) डेटाबेस, अखिल भारतीय स्तर पर, रोजगार अनुमानों प्रदान करता है। डेटाबेस की न्यूनतम आंकड़ों के अनुसार, 2023-24 के लिए अंनतिम अनुमान में देश में रोजगार वर्ष 2017-18 में 47.50 करोड़ की तुलना में वर्ष 2023-24 में बढ़कर 64.33 करोड़ हो गया है। वर्ष 2017-18 से वर्ष 2023-24 के दौरान रोजगार में कुल वृद्धि लगभग 16.83 करोड़ है।

*****